राजस्थान बोर्ड परीक्षा 2020

कक्षा 10

सैंपल पेपर्स / डेस्कवर्क 10 सेट

दिशा-निर्देशः

1 .सैंपल पेपर्स / डेस्कवर्क खरीदने की कोई आवश्यकता नहीं। फ्री PDF डाउनलोड करके पढ़े या फिर प्रिंट आउट निकाल कर पढ़े।

2. इस फाइल में कक्षा 10 के सभी विषय के सैंपल पेपर्स के लिंक दिए गए हैं। किसी भी लिंक पर क्लिक करते ही सैंपल पेपर आपके मोबाइल या कम्प्यूटर में खुल जाएगा।

3. हल सहित पेपर खोलने के लिए विषय का चुनाव करके कलर लिंक पर क्लिक करें। हल रहित पेपर खोलने के लिए विषय का चुनाव करके काले लिंक पर क्लिक करें।

4. कोई भी पेपर अपने व्हाट्सअप में सेव करने के लिए वह पेपर अपने क्लासमेट्स को व्हाट्सअप से भेज दीजिए इस तरह से पेपर आपके व्हाट्सअप में सेव हो जाएगा।

5. सभी RBSE स्कूल इन पेपर्स से अपनी प्री–बोर्ड की परीक्षा भी करवा सकते हैं। इसके लिए हल रहित पेपर डाउनलोड करके उसका प्रिंट आउट निकाल करके परीक्षा करवाइये।

6. सभी गुरूजनों से निवेदन हैं कि कृपया फ्री मॉडल पेपर प्राप्त करके उसे आपके सभी सहअध्यापकों व विद्यार्थियों को प्रेषित करें और मिशन फ्री बुक में सहयोग निभायें।

7. व्हाट्सअप से सभी मॉडल पेपर प्राप्त करने के लिए 9460443210 पर व्हाट्सअप करें।

www.rbse.online

MISSION FREE BOOKS

अगले साल से कोई भी पासबुक या सेम्पल पेपर खरीदने की जरूरत नहीं

सत्र 2020-2021 से सभी प्रकार की अध्ययन सामग्री (पास बुक्स, गाइड, माडल पेपर/सेंपल पेपर, डेस्क वर्क) आपको वेबसाइट **www.rbse.online** या व्हाट्सअप (9460443210) के द्वारा उपलब्ध करवाया जाएगा। विद्यार्थियों को किसी भी तरह की कोई भी अध्ययन सामग्री या बुक खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

SUBJECT : Science

SC SP Solved_1	SC SP Unsolved_1	SC SP Solved_2	SC SP Unsolved_2
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SC SP Solved_3	SC SP Unsolved_3	SC SP Solved_4	SC SP Unsolved_4
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SC SP Solved_5	SC SP Unsolved_5	SC SP Solved_6	SC SP Unsolved_6
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SC SP Solved_7	SC SP Unsolved_7	SC SP Solved_8	SC SP Unsolved_8
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SC SP Solved_9	SC SP Unsolved_9	SC SP Solved_10	SC SP Unsolved_10
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link

SUBJECT : Maths

MA SP Solved_1	MA SP Unsolved_1	MA SP Solved_2	MA SP Unsolved_2
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
MA SP Solved_3	MA SP Unsolved_3	MA SP Solved_4	MA SP Unsolved_4
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
MA SP Solved_5	MA SP Unsolved_5	MA SP Solved_6	MA SP Unsolved_6
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
MA SP Solved_7	MA SP Unsolved_7	MA SP Solved_8	MA SP Unsolved_8
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
MA SP Solved_9	MA SP Unsolved_9	MA SP Solved_10	MA SP Unsolved_10
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link

SUBJECT : Social Science

SS SP Solved_1	SS SP Unsolved_1	SS SP Solved_2	SS SP Unsolved_2
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SS SP Solved_3	SS SP Unsolved_3	SS SP Solved_4	SS SP Unsolved_4
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SS SP Solved_5	SS SP Unsolved_5	SS SP Solved_6	SS SP Unsolved_6
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SS SP Solved_7	SS SP Unsolved_7	SS SP Solved_8	SS SP Unsolved_8
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SS SP Solved_9	SS SP Unsolved_9	SS SP Solved_10	SS SP Unsolved_10
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link

SUBJECT : Hindi

HI SP Solved_1	HI SP Unsolved_1	HI SP Solved_2	HI SP Unsolved_2
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
HI SP Solved_3	HI SP Unsolved_3	HI SP Solved_4	HI SP Unsolved_4
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
HI SP Solved_5	HI SP Unsolved_5	HI SP Solved_6	HI SP Unsolved_6
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
HI SP Solved_7	HI SP Unsolved_7	HI SP Solved_8	HI SP Unsolved_8
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
HI SP Solved_9	HI SP Unsolved_9	HI SP Solved_10	HI SP Unsolved_10
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link

SUBJECT : English

EN SP Solved_1	EN SP Unsolved_1	EN SP Solved_2	EN SP Unsolved_2
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
EN SP Solved_3	EN SP Unsolved_3	EN SP Solved_4	EN SP Unsolved_4
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
EN SP Solved_5	EN SP Unsolved_5	EN SP Solved_6	EN SP Unsolved_6
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
EN SP Solved_7	EN SP Unsolved_7	EN SP Solved_8	EN SP Unsolved_8
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
EN SP Solved_9	EN SP Unsolved_9	EN SP Solved_10	EN SP Unsolved_10
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link

SUBJECT : Sanskrit

SA SP Solved_1	SA SP Unsolved_1	SA SP Solved_2	SA SP Unsolved_2
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SA SP Solved_3	SA SP Unsolved_3	SA SP Solved_4	SA SP Unsolved_4
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SA SP Solved_5	SA SP Unsolved_5	SA SP Solved_6	SA SP Unsolved_6
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SA SP Solved_7	SA SP Unsolved_7	SA SP Solved_8	SA SP Unsolved_8
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link
SA SP Solved_9	SA SP Unsolved_9	SA SP Solved_10	SA SP Unsolved_10
Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link	Alternative Link

वागा फाउण्डेशन

126, सेक्टर 6, विद्याधर नगर, जयपुर 302039

www.vaga.foundation email : school@vaga.foundation

माननीय शिक्षा मंत्री जी

राजस्थान सरकार

दिनांक : 15-11-2019

विषय : अध्ययन एवं अध्यापन हेतु फ्री डिजिटल सामग्री उपलब्ध करवाने का प्रस्ताव

महोदय,

हम शिक्षा के क्षेत्र में आपके द्वारा किये जाने वाले प्रयासों की बहुत सराहना करते हैं। आपने सत्र 2020-2021 से NCERT पाठ्यक्रम लागू करने का जो निर्णय लिया है, उसके लिए हम आपको बहुत बधाई देते हैं, क्योंकि यह निर्णय राज्य के विद्यार्थियों के हित में है। इस निर्णय के दो तात्कालिक प्रभाव होंगे-

1. आजकल राष्ट्रीय स्तर की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में NCERT पाठ्यक्रम ही होता है। स्कूल में NCERT पाठ्यक्रम लागू होने से राज्य के विद्यार्थियों को इन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने में बहुत सहायता मिलेगी।
2. राजस्थान के अलावा 8 हिन्दी भाषी राज्यों में NCERT पाठ्यक्रम पहले से ही लागू है। अतः सभी राज्यों द्वारा NCERT पाठ्यक्रम पर अध्ययन एवं अध्यापन सामग्री बनायी जाती है। ये सामग्री PDF और वीडियो के रूप में होती है। राज्य में NCERT पाठ्यक्रम लागू होने से राज्य के विद्यार्थियों के लिए पढ़ना आसान हो जाएगा, क्योंकि अब वे पूरे भारत में बनायी जाने वाली अध्ययन एवं अध्यापन सामग्री का प्रयोग कर सकेंगे।

निवेदन है कि हम जयपुर स्थित एक एजुकेशनल फाउण्डेशन हैं जो कि भारत में एजुकेशन को डिजिटल साधनों द्वारा बेहतर बनाने का कार्य करते हैं। आज समाचार-पत्र में आपके द्वारा कोटा डाइट विजिट में स्मार्ट वर्चुअल क्लासेज शुरू करने की खबर पढी। इस खबर को पढकर हमने आपको पत्र लिखने का निश्चय किया, क्योंकि हम पहले से इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। हमारा मानना है कि डिजिटल साधनों के द्वारा शिक्षा व्यवस्था में आये विकारों को दूर किया जा सकता है। इस बारे में हमारा कुछ निवेदन है जो बिन्दुवार इस प्रकार है-

1. शिक्षा के पाँच भाग हैं-
   1. स्कूल जाना।
   2. गुरुजनों से कक्षा में ज्ञान प्राप्त करना।
   3. अध्ययन सामग्री से स्वतः अध्ययन करना।
   4. औपचारिक मूल्यांकन।
   5. गैर शैक्षणिक गतिविधि (Extracurricular Activity)।

   उपर्युक्त भागों में सबसे महत्त्वपूर्ण भाग है **अध्ययन सामग्री से पढ़ना**। हमने कई लोगों के बारे में सुना है जो साधनों के अभाव के कारण स्कूल नहीं जा पाए और किताबों से स्व-अध्ययन कर जीवन में सफलता प्राप्त की। विद्यार्थी को चाहे स्कूल जाना नसीब न हो, परन्तु यदि उसे अध्ययन सामग्री मिल जाती है तो वह पढ़ सकता है। यदि विद्यार्थी अध्ययन सामग्री से नहीं पढ़ता है, तो वह कितना भी स्कूल क्यों न चला जाए, वह कितना भी कक्षा में क्यों न चला जाए, उसकी शिक्षा पूरी नहीं होगी। हमारा यह प्रस्ताव राजस्थान के सभी विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री फ्री उपलब्ध करवाने का है जो PDF और वीडियो के रूप में होगी।
2. अध्ययन के लिए स्टेट बोर्ड द्वारा सभी कक्षाओं की टेक्स्ट बुक्स प्रकाशित की जाती है और यह अपेक्षा की जाती है कि उन्हीं टेक्स्ट बुक्स से अध्ययन और अध्यापन का कार्य किया जाएगा, परन्तु पूरे भारत में टेक्स्ट बुक्स के साथ सहायक अध्ययन सामग्री से अध्ययन और अध्यापन किया जाता है। विद्यार्थियों के लिए सहायक अध्ययन सामग्री बहुत जरूरी है और यदि स्कूल में शिक्षण कार्य उचित रूप से नहीं हो पा रहा है तो सहायक अध्ययन सामग्री की जरूरत और भी बढ़ जाती है। भारत में कई राज्य सरकारों द्वारा सहायक अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध करवायी जाती है।
3. आजकल मोबाइल और फ्री डेटा सभी के पास है। यह देखा गया है कि चाहे खाने के लिए घर में अनाज न हो, पर एन्ड्रोयड

मोबाइल फ्री डेटा के साथ सभी के पास पहुँच चुका है। हमारा मानना है कि राजस्थान में शिक्षा की समस्या को एन्ड्रोयड मोबाइल और फ्री डेटा की मदद से दूर किया जा सकता है। आज अगर अच्छी अध्ययन सामग्री तैयार करवाकर विद्यार्थियों को PDF के रूप में दी जाए तो विद्यार्थी उससे अच्छी तरह से पढ़ सकते हैं। अगर अच्छे वीडियो उपलब्ध हों, तो विद्यार्थी उनको बार–बार देखकर उनसे अपनी क्लासरूम में रह गई कमी को दूर कर सकते हैं। हमारे पिछले तीन वर्षों से किये जा रहे सर्वे से यह साबित हो चुका है कि अगर विद्यार्थियों को मोबाइल पर पढ़ने के लिए अच्छी अध्ययन सामग्री दी जाए, तो वे उससे पढ़ लेते हैं और उन्हें बुक्स खरीदने की जरूरत भी नहीं रहती। हमारा प्रस्ताव इसी माध्यम से विद्यार्थियों को फ्री अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाने का है।

4. भारत में B.Ed में Information and Communication Technology (ICT) के प्रयोग को पढ़ाया जाता है, लेकिन कहीं भी उसका उपयोग नहीं होता है। राजस्थान के लगभग 5000 विद्यालयों में विभिन्न चरणों की ICT लैब है पर उनके उपयोगकर्ता नहीं हैं। न के बराबर विद्यालयों में उनका सदुपयोग हो पा रहा है। हमारा मानना है कि अब सही वक्त आ गया है जब देश में शिक्षा में Information and Communication Technology (ICT) का ठीक ढंग से उपयोग किया जा सकता है। ICT देश में शिक्षा व्यवस्था को सुधारने में बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। हम शिक्षकों के लिये यूजर फ्रेंडली कंटेंट उपलब्ध करवायेंगे जिससे वे विद्यालय में ICT लैब का उपयोग करते हुए पढ़ा सकें।
5. शिक्षा का उद्देश्य पढ़ना, लिखना और सीखना होता है। अगर कोई भी क्लास या वीडियो पढ़ना लिखना नहीं सिखा पाते, तो वह क्लास या वीडियो उपयोगी नहीं है। हमारा मानना है कि क्लास या वीडियो ऐसे हो कि उनके बाद विद्यार्थी अपने आप पढ़ पायें और उसे कोचिंग न जाना पड़े। हम सिर्फ शिक्षा के लिए वीडियो ही तैयार नहीं करेंगे, बल्कि वीडियो से स्टूडेन्ट्स को किताबों से पढ़ना भी सिखाएँगे, साथ ही ऐसी सहायक अध्ययन सामग्री भी बनायेंगे जिससे विद्यार्थी वीडियो देखने के बाद पढ़ सकें।
6. हमने ये देखा है कि जो अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग नहीं भेज पा रहे हैं, उनके मन में बहुत दर्द है कि वे अपने बच्चों को सही ढंग से नहीं पढ़ा पा रहे हैं, लेकिन जो अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग भेज पा रहे हैं, उनके मन में भी बहुत दर्द है, क्योंकि उनके बच्चों का बचपन कहीं खो गया है। वे मशीन की तरह स्कूल और कोचिंग में ही लगे रहते हैं। उनके पास न तो खेलने का समय है, न ही खाने का। हमारा विश्वास है कि इस सिस्टम को डिजिटल एजुकेशन खत्म कर सकती है, बशर्ते ये डिजिटल एजुकेशन फ्री एवं प्रासंगिक हो।
7. अभिभावक पहले ही कोचिंग व्यवस्था से त्रस्त हैं और इसका फायदा लेने के लिए कई ऑनलाइन कम्पनियाँ आ गई हैं, जो विद्यार्थियों को नई तकनीक से पढ़ाने का दावा करती हैं। ये ऑनलाइन डिजिटल कम्पनियाँ कोचिंग व्यवस्था से भी बड़ी लुटेरी हैं। ये कम्पनियाँ विद्यार्थियों को भ्रामक प्रचार और स्कॉलरशिप का लालच देकर उनको अपने महँगे कोर्स बेचने की कोशिश कर रही हैं। हालाँकि इनके ये कोर्स विद्यार्थियों के लिए बिल्कुल भी उपयोगी नहीं हैं। देश में इन कंपनियों के फैल रहे जाल में विद्यार्थी फँसते जा रहे हैं और अपना समय और धन दोनों बर्बाद कर रहे हैं। ये कंपनियाँ ऐसा माहौल बनाने का प्रयास कर रही हैं, जैसे कि इनके बिना विद्यार्थी पढ़ ही नहीं सकता। विद्यार्थियों को इन लुटेरी कंपनियों से बचाने के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए फ्री डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी जाए। हम इस मामले में पहले से ही प्रयासरत हैं और सरकार से केवल समर्थन चाहते हैं। यदि सरकार इस मामले में पहल करती है तो राज्य के विद्यार्थियों के लिए यह बेहद लाभदायक सिद्ध होगा। सम्पूर्ण डिजिटल अध्ययन सामग्री हमारे द्वारा उपलब्ध करवायी जाएगी।
8. यूट्यूब पर बहुत सा कंटेंट (वीडियो के रूप में) पहले से ही उपलब्ध है लेकिन वह व्यवस्थित नहीं है। कोचिंग वालों ने यह कंटेंट सिर्फ प्रचार के लिए डाल रखा है और इस कंटेंट से पढ़ना संभव नहीं है। यदि विद्यार्थी इस कंटेंट से पढ़ते हैं तो वे कंफ्यूज हो जाते हैं क्योंकि वे इस कंटेंट को अपने पाठ्यक्रम के साथ रिलेट नहीं कर पाते हैं।
9. हम सिर्फ कक्षा 1 से 12 तक के लिए ही काम नहीं करेंगे, बल्कि जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, सैनिक विद्यालय प्रवेश परीक्षा, नेशनल मीन्स कम मैरिट स्कॉलरशिप (NMMS), NDA, NTSE, IIT JEE, NEET आदि सभी परीक्षाओं के लिए अध्ययन सामग्री फ्री उपलब्ध करवायेंगे जो PDF और वीडियो के रूप में होगी। हम मात्र PDF और वीडियो ही उपलब्ध नहीं करवायेंगे, बल्कि एनीमेशन, सॉफ्टवेयर, पावरपाइंट स्लाइड्स आदि सभी तरह की डिजिटल अध्ययन एवं अध्यापन सामग्री उपलब्ध करवायेंगे।
10. प्रायः विद्यार्थी गणित विषय को कठिन समझते हैं। यदि इस विषय पर अच्छी अध्ययन और अध्यापन सामग्री उपलब्ध हो, तो

विद्यार्थियों की गणित विषय को लेकर जो समस्या है, उसे समाप्त किया जा सकता है। हम विद्यार्थियों को टेक्स्ट (PDF) और वीडियो दोनों उपलब्ध करवाएँगे। विद्यार्थी PDF टेक्स्ट को पढ़े और यदि फिर भी समझने में समस्या आये, तो वीडियो देखे। हम ऐसा सिर्फ गणित विषय के लिए ही नहीं, बल्कि सभी विषयों के लिए करना चाहते हैं।

11. हम पहले से ही इस क्षेत्र में अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं। सत्र 2018–19 में हमने कक्षा–10 में सभी विषयों के 10 मॉडल पेपर (हल सहित) उपलब्ध करवाये हैं। हमारे मॉडल पेपर की बहुत तारीफ हुई है। राज्य के करीब 4000 स्कूल्स ने हमारे मॉडल पेपर से प्री–बोर्ड परीक्षा करवायी है और उन्हें बहुत उपयोगी पाया है। हम यह कार्य CBSE के लिए भी कर रहे हैं। इस बोर्ड में हमारे द्वारा किए गए काम की बहुत तारीफ हो रही है।
12. हम न सिर्फ अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाएँगे, बल्कि कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन भी करेंगे। ये मार्गदर्शन विद्यार्थियों को PDF के माध्यम से दिया जाएगा। हमारा उद्देश्य है कि भारत में किसी भी विद्यार्थी के मन में यह अफसोस न हो कि वह मार्गदर्शन और साधनों के अभाव के कारण नहीं पढ़ पाया। अगर कोई लायक है तो उसे डिजिटल साधनों (PDF एवं वीडियो) के माध्यम से मार्गदर्शन और पढ़ने का अवसर मिले। हमारा उद्देश्य है कि भारत में कोचिंग कल्चर खत्म हो। कोचिंग भारत की शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा विकार है। ये विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास नहीं होने देते हैं। हमारा उद्देश्य है कि विद्यार्थी शिक्षा के लिए सिर्फ स्कूल जाए और यदि उसकी स्कूल से शिक्षा में कुछ कमी रह जाती है तो उस कमी को डिजिटल साधनों के माध्यम से पूरा किया जाए।
13. निवेदन है कि हमें इस कार्य के लिए सरकार से किसी भी तरह का आर्थिक सहयोग नहीं चाहिए, लेकिन इसके लिए सरकार की तरफ से प्रचार–प्रसार चाहिए। हमारे द्वारा सरकार से अध्ययन सामग्री के प्लेटफॉर्म पर किसी भी तरह का कोईः
    1. OTP या E-Mail Verification नहीं होगा।
    2. विद्यार्थियों का डेटा नहीं लिया जाएगा।
    3. विज्ञापन नहीं दिया जाएगा।
    4. कॉमर्शियल एक्टिविटी नहीं होगी।
    5. छुपा हुआ एजेण्डा नहीं होगा।
14. यदि सरकार से किसी प्रकार की सहायता नहीं मिलती है तो भी हम इस कार्य को अपने स्तर पर करने के लिए कृत–संकल्प हैं। हमारा उद्देश्य भारत में एक ऐसी शिक्षा–व्यवस्था का निर्माण करना है जिसमें विद्यालय शिक्षा के अतिरिक्त विद्यार्थियों को कोचिंग सेंटर जाने की जरूरत न पड़े और विद्यालय शिक्षा पर होने वाले खर्च के अलावा अन्य कोई खर्च करने की जरूरत न पड़े। विद्यार्थियों की संपूर्ण शिक्षा विद्यालय में ही पूरी हो और विद्यार्थी घर पर स्वतः अध्ययन करने में सक्षम बन सकें।
15. यदि यह कार्य राजस्थान में संभव हो पाया तो यह राजस्थान के हर घर के दिल को छू लेने वाला कार्य होगा। यदि सरकारी स्तर पर इसके लिए प्रयास किये गए तो राजस्थान ऐसा करने वाला पहला राज्य होगा। राजस्थान सरकार का यह प्रयास राजस्थान के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे भारत के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा।

अतः आपसे निवेदन है कि हमारे इस प्रस्ताव पर अतिशीघ्र विचार करें एवं हमें मिलने का अवसर दें ताकि हम हमारे प्रस्ताव का एक प्रजेंटेशन दे सकें।

धन्यवाद!

वागा फाउण्डेशन